नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

दर्शन शास्त्र

बी.ए. भाग–दो, दर्शन शास्त्र में दो प्रश्न पत्र (75 अंक) के होंगे

1. नीति शास्त्र – भारतीय एवं पाश्चात्य
2. धर्म दर्शन

प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाईयों में विभाजित है । प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा ।

बी.ए. भाग – दो

दर्शन शास्त्र

प्रश्न पत्र – प्रथम

नीतिशास्त्र –भारतीय एवं पाश्चात्य (कुल 75 अंक)

इकाई–1
1. नीतिशास्त्र : परिभाषा, स्वरूप एवं उपयोगिता
2. मूल्य : नैतिक मूल्य एवं अन्य मूल्यों में अंतर
3. कर्म का सिद्धांत

इकाई–2
1. पुरूषार्थ : पुरूषार्थों का आपस में सम्बन्ध, पुरूषार्थ– साधना
2. बौद्ध नीति : चार आर्य सत्य
3. जैन नीति : अणुव्रत एवं महाव्रत

इकाई–3
1. संकल्प की स्वतंत्रता एवं उत्तरदायित्व
2. दण्ड का सिद्धांत
3. सद्गुण : सुकरात , प्लेटो एवं अरस्तू के अनुसार

इकाई –4
1. सुखवाद : बेंथम एवं मिल
2. चार्वाक का सुखवाद
3. कांट : कर्तव्य के लिए कर्तव्य

इकाई –5
1. अंतः प्रज्ञावाद
2. पूर्णतावाद
3. गीता का निष्काम कर्मयोग

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग –दो

दर्शन शास्त्र

प्रश्न पत्र द्वितीय

धर्म दर्शन

(कुल अंक –75)

इकाई–1
1. धर्म : धर्म एवं रिलिजन में अंतर
2. धर्म–दर्शन : अर्थ, स्वरूप
3. धर्म एवं धर्म–दर्शन में अंतर
4. धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत

इकाई–2
1. धार्मिक अनुभव : ब्रह्मानुभव एवं रहस्यवाद
2. बुद्धि, विश्वास एवं अंतः प्रज्ञा
3. धार्मिक विश्वास एवं अन्य विश्वास

इकाई–3
1. ईश्वर : ईश्वर के गुण
2. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण : भारतीय एवं पाश्चात्य
3. प्रार्थना एवं भक्ति

इकाई–4
1 अनीश्वरवाद
2. ईश्वर के बिना धर्म
3. धर्म– निरपेक्षता

इकाई–5
1 आत्मा की अमरता
2. पुनर्जन्म एवं कर्म का सिद्धांत
3. अशुभ की समस्या

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

दर्शन शास्त्र

बी.ए. भाग तीन दर्शन शास्त्र विषय में कुल दो प्रश्न पत्र होंगे तथा प्रत्येक में 75 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाईयों में विभाजित है । प्रथम प्रश्न पत्र 'तर्कशास्त्र ' अनिवार्य है । द्वितीय प्रश्न पत्र में दो विकल्प दिये गये हैं –

1. ज्ञान मीमांसा एवं तत्व मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)
2. ग्रीक दर्शन